भाषा शिक्षण एक कला

विषय - हिंदी

कक्षा - छठी

सौजन्य:

कंचन वासन

अध्यापिका

सरकारी कन्या हाई स्कूल

शाहकोट (जालंधर)

भाषा शिक्षण एक कला

कक्षा - छठी

पाठ - चार

कविता इन्द्रधनुष

सौजन्य:
कंचन वासन
अध्यापिका
सरकारी कन्या हाई स्कूल
शाहकोट (जालंधर)

घर पर रहें स्वस्थ रहें

पाठ-4

इन्द्रधनुष

(ऐसा धनुष जो सभी को भाये
पर वो लड़ाई के काम न आये।)

उमड़े बरसे काले मेघ,
नभ में जैसे लाखों छेद,
वर्षा थमी धरा महकी,
प्रकृति दिखती हरी-भरी।

सहसा सूर्यदेव आये,
सोने-सी किरणें लाये,
नभ पर रंगों का मेला,
अर्ध-वृत्त जैसा फैला।

यह है इन्द्रधनुष प्यारा,
सतरंगा न्यारा न्यारा,
हृदय-हार नभ रानी का
मोहित मन हर प्राणी का।

सुन्दर यह प्रभु का झूला,
देख देख कर मन फूला,
झूला प्रभु के आँगन में,
किरणें झूलें सावन में ।

वर्षा ऋतु मुस्काती है,
सतरंगी हो जाती है,
आओ हम भी मुस्काएं
रंग खुशी के बिखराएं।

अभ्यास

1. नीचे गुरुमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें:-

ਰੰਗ	=	रंग	ਪ੍ਰਭੂ	=	प्रभु
ਕਿਰਨਾਂ	=	किरणें	ਖੁਸ਼ੀ	=	खुशी

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिन्दी शब्दों को लिखें :-

ਬੱਦਲ	=	मेघ	ਸਤਰੰਗੀ ਪੀਂਘ	=	इन्द्रधनुष
ਅਕਾਸ਼	=	नभ	ਧਰਤੀ	=	धरा
ਛੇਕ	=	छेद	ਵਿਹੜਾ	=	आँगन
ਵਰਖਾ, ਮੀਂਹ	=	वर्षा	ਕੁਦਰਤ	=	प्रकृति
ਅਚਾਨਕ	=	सहसा	ਝੂਲਾ	=	झूला

(3)निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक - दो वाक्यों में लिखो:-

प्रश्न (क) कविता में बादलों का रंग कैसा बताया गया है ?
उत्तर :- कविता में बादलों का रंग काला बताया गया है ।

प्रश्न (ख) वर्षा के बाद प्रकृति कैसी दिखाई देती है ?
उत्तर :- वर्षा के बाद प्रकृति हरी-भरी दिखाई देती है।

प्रश्न (ग) वर्षा के बाद सूर्य दिखाई देने पर नभ पर क्या दिखाई देता है ?
उत्तर :- वर्षा के बाद सूर्य दिखाई देने पर नभ पर इन्द्रधनुष दिखाई देता है।

(3)निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक - दो वाक्यों में लिखो:-

प्रश्न (घ) इन्द्रधनुष का आकार कैसा होता है ?

उत्तर :- इन्द्रधनुष का आकार आधे गोले का और झूले जैसा होता है।

प्रश्न (ङ) कवि ने इन्द्रधनुष के लिए अन्य कौन - सा शब्द प्रयोग किया है ?

उत्तर :- कवि ने इन्द्रधनुष के लिए तिरंगा शब्द का प्रयोग किया है।

(4) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन - चार वाक्यों में लिखो:-

प्रश्न (क) सावन के महीने में प्रकृति हरी-भरी क्यों दिखाई देती है ?

उत्तर :-सावन के महीने में काले-काले बादल उमड़-घुमड़ कर आते हैं और खूब वर्षा करते हैं । इससे सारी प्रकृति हरी-भरी दिखाई देने लगती है।

(4) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन - चार वाक्यों में लिखो:-

(ख) इस माह की अन्य क्या विशेषताएँ है?

उत्तर - सावन के महीने में वर्षा के आने से गर्मी का प्रकोप कम हो जाता है जिस से हर प्राणी का दिल खुश हो जाता है।चारों तरफ हरियाली नज़र आने लगती है।

(4) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन - चार वाक्यों में लिखो:-

(ग) वर्षा ऋतु से हमें मुस्कुराते रहने का क्या संदेश मिलता है?
उत्तर - वर्षा ऋतु से संदेश मिलता है कि जैसे ऋतु के खुश होने से प्रकृति हरी भरी हो जाती है वैसे ही मानव के मुस्कुराने से सारी दुनिया खुश और खिली खिली नज़र आने लगती है।

(5) इन्द्र धनुष के चित्र को देखो और दिए गए शब्दों के पर्याय ढूंढ कर लिखो:-

1) प्रभु ईश्वर, परमात्मा

2) मेघ बादल जलद

3) नभ गगन, आकाश

(4) किरण कर , मयूख

(6) कविता की पंक्तियाँ पूरी करें

(क) वर्षा थमी धरा महकी,

प्रकृति दिखती हरी-भरी ।

(ख) नभ पर रंगों का मेला

अर्ध-वृत्त जैसा फैला ।

(ग) हृदय हार नभ रानी का,

मोहित मन हर प्राणी का ।

पढ़ो समझो और दो दो नए शब्द लिखो:-

र्+ य= र्य = सूर्य , कार्य
र्+ म = र्म = कर्म, धर्म
र्+ च = र्च = चर्च , खर्च
र् + षा =र्षा = वर्षा , हर्षा
क्+ र = क्र = क्रम , क्रांति
द्+ र = द्र = द्रव्य , दरिद्र
प्+ र = प्र = प्रण , प्रकृति
ब्+ र = ब्र = ब्राज़ील , कब्र

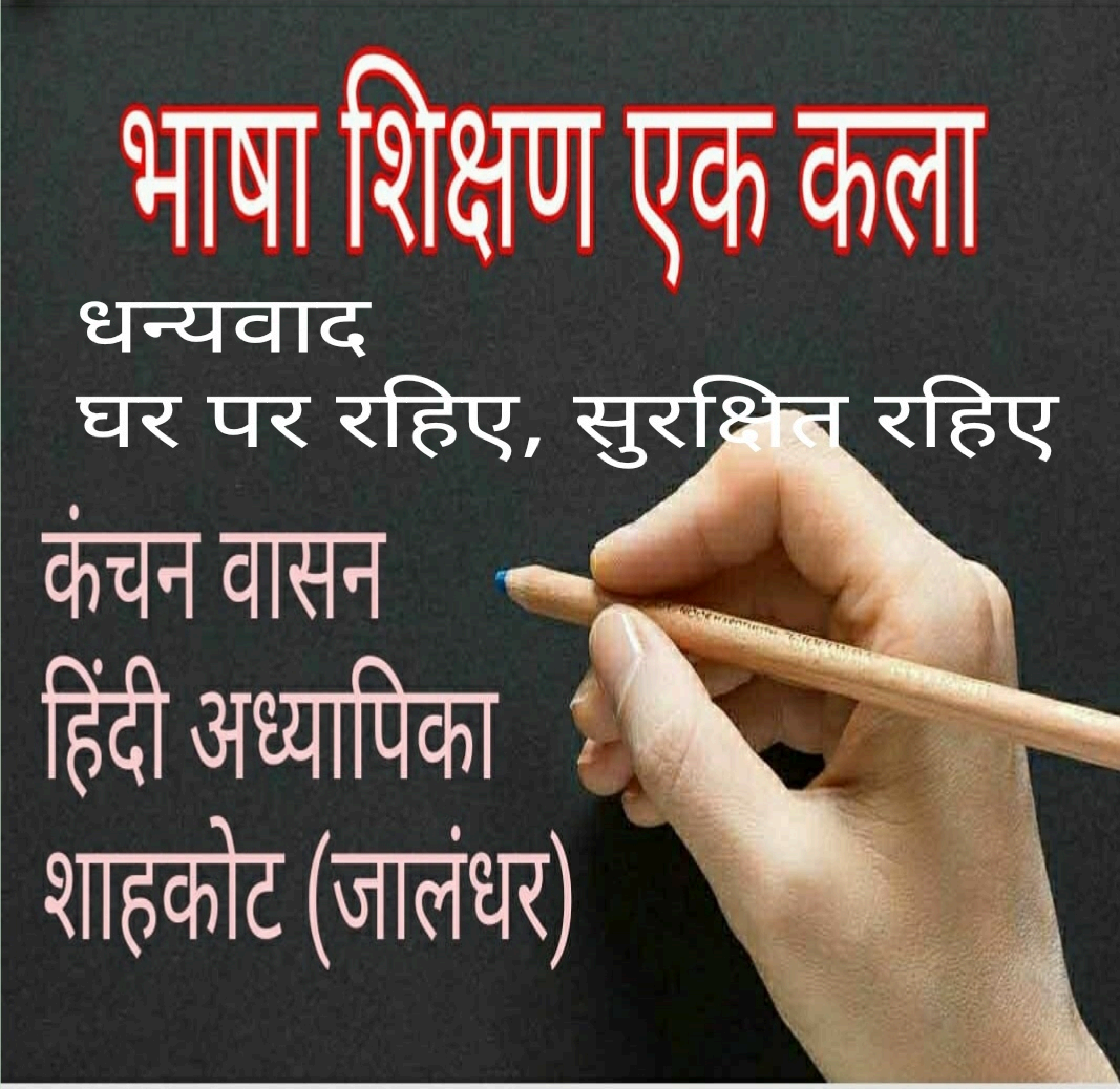
भाषा शिक्षण एक कला
धन्यवाद
घर पर रहिए, सुरक्षित रहिए
कंचन वासन
हिंदी अध्यापिका
शाहकोट (जालंधर)